एंटी-ऑक्सीडेंट कैंसर को बिगाड़ सकते हैं

आजकल एंटी-ऑक्सीडेंट का फैशन चला है। किसी चाय में एंटी-ऑक्सीडेंट होगा तो किसी तेल में। ऐसा माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट पदार्थ आपकी कोशिकाओं को स्वस्थ रखते हैं। इनमें विटामिन ई, बीटा कैरोटीन जैसे पदार्थ आते हैं। मगर नवीन अनुसंधानों से पता चल रहा है कि ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स कैंसर को बिगाड़ भी सकते हैं।

चूहों पर किए गए एक अनुसंधान का निष्कर्ष है कि एंटी-ऑक्सीडेंट कोशिकाओं में कुछ इस तरह के बदलाव पैदा करते हैं कि कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में ज़्यादा आसानी से फैलने लगता है। यह स्थिति त्वचा के एक कैंसर मेलिग्नेन्ट मेलेनोमा में देखी गई।

1994 में एंटी-ऑक्सीडेंट बीटा कैरोटीन की उच्च खुराक का अध्ययन किया गया था। पता चला था कि प्रतिदिन बीटा कैरोटीन की उच्च खुराक लेने से धूम्रपान करने वालों में फेफड़े का कैंसर होने की संभावना 18 प्रतिशत बढ़ती है। इसी प्रकार से 1996 में एक चलते हुए अध्ययन को बीच में ही रोक देना पड़ा था क्योंकि पता चला था कि बीटा कैरोटीन और रेटीनॉल की उच्च खुराक से धूम्रपानियों और एस्बेस्टॉस के संपर्क में आने वाले लोगों में फेफड़े के कैंसर की संभावना 28 प्रतिशत बढ़ जाती है।

2011 में 50 वर्ष से अधिक उम्र के 35,000 पुरुषों पर किए गए एक अध्ययन में पता चला कि विटामिन ई की उच्च खुराक के सेवन से प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 17 प्रतिशत तक बढ़ता है।

एंटी-ऑक्सीडेंट्स और कैंसर के इस तरह के सम्बंध ने वैज्ञानिकों को चक्कर में डाल दिया। आम तौर पर तो मान्यता यह रही है कि कोशिकाओं में जो मुक्त मूलक पैदा होते हैं वे कैंसर के खतरे को बढ़ाते हैं और एंटी-ऑक्सीडेंट इन मुक्त मूलकों को नष्ट करके कैंसर से रक्षा करते हैं। मगर नए अनुसंधानों के परिप्रेक्ष्य में लगता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट्स जिस तरह से सामान्य कोशिकाओं की मदद करते हैं, उसी तरह से वे कैंसर कोशिकाओं में भी मददगार हो सकते हैं।

त्वचा कैंसर सम्बंधी ताज़ा अध्ययन में गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के मार्टिन बर्गो और उनके साथियों ने कुछ चूहों में ऐसे जेनेटिक परिवर्तन पैदा कर दिए कि वे मेलेनोमा के प्रति ज़्यादा संवेदी हो गए। अब इनमें से कुछ चूहों को एक एंटीऑक्सीडेंट एनएसी की उच्च खुराक दी गई। एनएसी उपचारित चूहों में ज़्यादा संख्या में ट्यूमर तो नहीं बने मगर यह देखा गया कि उनमें लसिका ग्रंथियों में दुगने से ज़्यादा ट्यूमर बने। लसिका ग्रंथियों में ट्यूमर का बनना कैंसर के फैलने का एक प्रमुख लक्षण होता है। यानी एनएसी उपचारित चूहों में कैंसर के फैलने की संभावना ज़्यादा होती है।

जब शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में संवर्धित मानव मेलेनोमा कैंसर कोशिकाओं में एनएसी डाला तो पता चला कि इन कोशिकाओं की गति करने और आसपास की झिल्लियों में घुसपैठ करने की क्षमता बढ़ गई।

वैसे इन अनुसंधानों के आधार पर वैज्ञानिक एंटी-ऑक्सीडेंट के बारे में कोई आम सलाह देने से कतरा रहे हैं मगर इतना तय है कि इनके बारे में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। ***(स्रोत फीचर्स)***